



हंगर हॉटस्पॉट्स रपिपोर्ट: FAO-WFP

प्रलमिस के लयि:

खाद्य और कृषि संगठन, वशिव खाद्य कार्यक्रम, हॉरन ऑफ अफ्रीका कषेत्र, रेगसितानी टडिडी

मेन्स के लयि:

खाद्य असुरक्षा की स्थिति उत्पन्न करने वाले कारक

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [खाद्य और कृषि संगठन](#) (FAO) तथा [वशिव खाद्य कार्यक्रम](#) (WFP) ने 'हंगर हॉटस्पॉट्स - अगस्त से नवंबर 2021' (Hunger Hotspots - August to November 2021) नाम से एक रपिपोर्ट जारी की।

- मई 2021 में जारी वर्ष 2021 की ग्लोबल फूड क्राइसिस (Global Food Crises Report) रपिपोर्ट में पहले ही तीव्र खाद्य असुरक्षा की चेतावनी दी गई थी, इसके अनुसार खाद्य असुरक्षा अपने पाँच वर्ष के उच्च स्तर पर पहुँच गई थी, जिसके कारण वर्ष 2020 में कम-से-कम 155 मिलियन लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा के चक्र में फँस चुके थे।

प्रमुख बडि

प्रमुख हंगर हॉटस्पॉट्स:

- इथियोपिया, मेडागास्कर, दक्षिण सूडान, उत्तरी नाइजीरिया और यमन उन 23 देशों में शामिल हैं जहाँ अगस्त से नवंबर, 2021 तक खाद्य असुरक्षा की स्थिति तीव्रता से और अधिक खराब जाएगी।
- इथियोपिया और मेडागास्कर वशिव के सबसे नए "उच्चतम अलर्ट" भूख वाले हॉटस्पॉट हैं।
 - इथियोपिया एक वनिाशकारी खाद्य आपातकाल का सामना कर रहा है जिसका कारण टाइग्रे कषेत्र में चल रहा संघर्ष है।
 - इस बीच दक्षिणी मेडागास्कर में 40 वर्षों में सबसे भीषण सूखे के कारण वर्ष 2021 के अंत तक 28,000 लोगों के अकाल जैसी स्थिति का सामना करने की आशंका है।

खाद्य असुरक्षा की स्थिति उत्पन्न करने वाले कारक:

- **हसिा:**
 - जनसंख्या का वसिथापन, कृषि भूमि का परतियाग, जन धन और संपत्तिका नुकसान, व्यापार एवं व्यवधान तथा संघर्षों के कारण बाजारों तक पहुँच की हानि खाद्य असुरक्षा की स्थिति को और अधिक बढ़ा सकती है।
 - अफगानसितान, मध्य साहेल कषेत्र, मध्य अफ्रीकी गणराज्य आदि में हसिक गतविधियों के तीव्र होने की भविष्यवाणी की गई है।
 - हसिा से मानवीय सहायता तक पहुँच बाधति होने की भी संभावना है।
- **महामारी के झटके:**
 - वर्ष 2020 में लगभग सभी नमिन और मध्यम आय वाले देश महामारी से ग़रसति आर्थिक मंदी से प्रभावति थे।
- **प्राकृतिक खतरें:**
 - मौसम की चरम स्थिति और जलवायु परिवर्तनशीलता की अवधि के दौरान वशिव के कई हसिसों के प्रभावति होने की संभावना है।
 - उदाहरण के लयि हैती में मई के मौसम में कम वर्षा से उपज प्रभावति होने की संभावना है। दूसरी ओर औसत से कम बारशि से मुख्य चावल उगाने वाले मौसम के दौरान उपज में कमी आने की संभावना है।
 - जुलाई 2021 की शुरुआत में [हॉरन ऑफ अफ्रीका](#) कषेत्र में [रेगसितानी टडिडी](#) का संक्रमण एक बड़ी चतिा थी, जबकि अन्य कषेत्र इससे अप्रभावति थे।
- **खराब' मानवीय पहुँच:**
 - मानवीय पहुँच वभिन्न तरीकों से सीमति है, जिसमें [प्रशासनिक/नौकरशाही](#), [आंदोलन प्रतबिंध](#), [सुरक्षा प्रतबिंध](#) और [पर्यावरण](#) से

संबंधित भौतिक बाधाएँ शामिल हैं।

- वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करने वाले देश, सहायता को उन लोगों तक पहुँचाने से रोक रहे हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, जिनमें शामिल हैं **अफगानिस्तान, इथियोपिया, मध्य अफ्रीकी गणराज्य** आदि।

सुझाव:

- **अल्पकालिक हस्तक्षेप:**
- नई मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने से पूर्व **अल्पकालिक सुरक्षात्मक हस्तक्षेपों** को लागू किया जाना चाहिये तथा मौजूदा **मानवीय आवश्यकताओं** को पूरा करने के लिये **तत्काल कार्रवाई** की जानी चाहिये।
- **नीतियों का एकीकरण:**
 - **संघर्षरत क्षेत्रों में मानवीय, विकास और शांतिनिर्माण नीतियों को एकीकृत** करना- उदाहरण के लिये सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से परिवारों को भोजन के लिये अल्प संपत्तिको बेचने से रोकना।
- **जलवायु स्थितिको लचीला बनाना:**
 - **लघु हतिधारक किसानों को जलवायु जोखिम बीमा तथा पूर्वानुमान** आधारित वित्तपोषण तक व्यापक पहुँच प्रदान करके खाद्य प्रणालियों में जलवायुविक लचीलेपन को बढ़ाना।
- **लचीलेपन को सुदृढ़ करना:**
 - महामारी जैसे आपदा के प्रभाव या खाद्य मूल्य अस्थिरता के प्रभाव को कम करने के लिये **इन-काउंड या नकद सहायता कार्यक्रमों** के माध्यम से आर्थिक स्थितिके प्रतिकूल प्रभाव हेतु सबसे कमजोर लोगों में लचीलेपन को मज़बूत करना।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु भारत द्वारा उठाए गए कदम

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन:

- इसका उद्देश्य क्षेत्र विसतार और उत्पादकता में वृद्धिके माध्यम से **चावल, गेहूँ, दालें, मोटे अनाज तथा वाणज्यिक फसलों का उत्पादन** बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (PMGKAY):

- इसका उद्देश्य **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS)** के माध्यम से पहले से उपलब्ध कराए जा रहे 5 किलोग्राम सबसिद्धि वाले खाद्यान्न के अलावा **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013** के तहत प्रत्येक व्यक्ति को अतिरिक्त 5 किलोग्राम अनाज (गेहूँ या चावल) नशुल्क प्रदान करना है।

वन नेशन वन राशन कार्ड:

- यह भारत में भुखमरी की समस्या को संबोधित करेगा। उल्लेखनीय है कि **ग्लोबल हंगर इंडेक्स** में भारत को 117 देशों में से 102वें स्थान पर रखा गया है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान नधि:

- यह प्रत्येक फसल चक्र के अंत में प्रत्याशित कृषि आय के अनुरूप उचित फसल स्वास्थ्य और उचित पैदावार सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न आदानों की खरीद में **छोटे और सीमांत किसानों (Small and Marginal Farmers- SMF)** की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने का इरादा रखता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA), 2013:

- इसके अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) के तहत रियायती दर पर खाद्यान्न प्राप्त करने के लिये ग्रामीण आबादी का 75 प्रतिशत और शहरी आबादी का 50 प्रतिशत के कवरेज का लक्ष्य रखा गया है।
 - अधिनियम के तहत राशन कार्ड जारी करने के उद्देश्य से घर की 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की सबसे बड़ी महिला का घर का मुखिया होना अनिवार्य है।

खाद्य और कृषि संगठन

- खाद्य और कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization- FAO) **संयुक्त राष्ट्र (UN)** की एक विशेष एजेंसी है जो भूख को समाप्त करने के लिये अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- प्रत्येक वर्ष वशिव में 16 अक्टूबर को **वशिव खाद्य दिवस** मनाया जाता है।
- खाद्य और कृषि संगठन की स्थापना वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तहत की गई थी।
- यह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सहायता संगठनों में से एक है जो रोम (इटली) में स्थित है। इसके अलावा **वशिव खाद्य कार्यक्रम** और कृषि विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय कोष (IFAD) भी इसमें शामिल हैं।

